Report on Educational Historical and Horticultural Tour to Khusro Bagh

Prayagraj: Hamidia Girls' Degree College, Department of Medieval History, organised an educational historical and horticultural tour to Khusro Bagh and its nursery for students of B.A. Medieval History, B.Voc. Indian Culture, and Basics of Gardening. The tour aimed to provide practical exposure to Mughal history, architecture, heritage conservation, horticulture, and garden management.

Students explored the historic Mughal garden and the tombs of Prince Khusrau Mirza, Shah Begum, and Nithar Begum. Faculty members explained the historical and architectural significance of the monuments, highlighting features such as red sandstone, arches, chhatris, calligraphic inscriptions, jali work, and decorative designs.

Students of Basics of Gardening observed various plants, propagation methods, soil preparation, watering, plant care, and landscaping practices at the nursery. Dr. Nuzhat Fatima and Dr. Tabassum Nigar emphasised heritage conservation, biodiversity, environmental sustainability, and responsible tourism. Mrs. Tazeen Fatima, Miss Roqaiya Ansari, and Miss Tasleem also supported the programme. The tour provided a valuable interdisciplinary learning experience connecting classroom knowledge with practical understanding.

प्रयागराज: हमीदिया गर्ल्स डिग्री कॉलेज के मध्यकालीन इतिहास विभाग द्वारा बी.ए. मध्यकालीन इतिहास, बी.वोक. भारतीय संस्कृति तथा बेसिक्स ऑफ गार्डनिंग के विद्यार्थियों के लिए खुसरो बाग एवं इसकी नर्सरी का शैक्षिक, ऐतिहासिक एवं बागवानी भ्रमण आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को मुगल इतिहास, स्थापत्य कला, विरासत संरक्षण, बागवानी तथा उद्यान प्रबंधन का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना था।

विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक मुगल उद्यान तथा शहजादा खुसरौ मिर्जा, शाह बेगम और निथार बेगम के मकबरों का अवलोकन किया। शिक्षकों ने लाल बलुआ पत्थर, मेहराब, छतरियों, सुलेख, जालीदार कार्य एवं सजावटी कलाकृतियों जैसी स्थापत्य विशेषताओं की जानकारी दी।

बेसिक्स ऑफ गार्डनिंग के विद्यार्थियों ने नर्सरी में विभिन्न पौधों, पौध प्रवर्धन, मिट्टी की तैयारी, सिंचाई, पौधों की देखभाल और लैंडस्केपिंग का अध्ययन किया। डॉ. नुज़हत फातिमा एवं डॉ. तबस्सुम निगार ने विरासत संरक्षण, जैव-विविधता, पर्यावरणीय स्थिरता एवं जिम्मेदार पर्यटन के महत्व पर बल दिया। श्रीमती तज़ीन फातिमा, मिस रुकैया अंसारी एवं मिस तसलीम ने भी सहयोग प्रदान किया। यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए एक उपयोगी अंतरविषयी शैक्षिक अनुभव रहा।